Title: Re: Setting up of an Immigration Center Kakrahawa near Indo-Nepal Border.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): भारत और नेपाल 1850 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं और भारत परंपरागत रूप से नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है । मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2 साल पहले भारत सरकार ने नेपाल सीमा पर ककरहवा के पास लैंड कस्टम स्टेशन का उद्घाटन किया था । साथ ही ककरहवा लुंबिनी से मात्र 27 किमी दूर है । मैं सरकार को यह भी सूचित कराना चाहता हूं कि वर्तमान में ककरहवा में कोई इमिग्रेशन केंद्र नहीं है जिससे दोनों देशों के पर्यटकों और व्यापारियों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने और दोनों तरफ से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए ककरहवा में एक इमिग्रेशन सेंटर खोलने की कृपा करें । इससे पर्यटन में सुधार और बौद्ध सर्किट के विकास में मदद मिलेगी । बौद्ध सर्किट के मार्ग में व्यापार सुविधाओं को आसान बनाने के लिए ककरहवा सीमा पर इमिग्रेशन केंद्र बनने से आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद होगा । इसके साथ ही दोनों ओर के व्यापारी कम लागत पर वस्तुओं का आयात और निर्यात कर पाएंगे और पर्यटक को बहुत बढ़ावा मिलेगा ।